डीजे शान और सार्थक

सनबर्न में झूमे यंगस्टर्स

ATHARV 2014

रविवार को आईआईएम में हुए सनबर्न डीजे इवेंट में झमाझम बारिश के बावजूद बड़ी तादाद में यंगस्टर्स शामिल हुए।

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

आईआईएम इंदौर के मैनेजमेंट और कल्चरल फेस्ट अथर्व 2014 का रविवार को आखिरी दिन था। बारिश के बावजूद आईआईएम के स्टूडेंट्स और आउटसाइड क्राउड भी यहां भारी तादाद में था। टुमारोलैंड में प्ले कर डीजे शान और सनबर्न पेम डीजे सार्थक की बीट्स पर युवा थिरके। पढ़िए इन दो वर्ल्ड फेमस डीजे से सिटी भास्कर की बातचीत -

रीमिक्स से बहुत आगे है डीजेइंग

डीजे शान कहते हैं अब भी कुछ लोग कहते हैं कि डीजे अपना खुद म्यूजिक क्रिएट नहीं करते, सिर्फ दूसरों के म्यूजिक को रीमिक्स करते हैं। मैं तो इस करियर में आया ही इसलिए हूं कि अपना खुद का म्यूजिक क्रिएट कर सकूं। आज डीजे अपना म्यूजिक खुद क्रिएट कर रहे हैं। वे कहते हैं कि मैं यंगस्टर्स के लिए एक इलेक्ट्रिफाइंग एटमोस्फियर क्रिएट करता हूं, मैं डीजे बना ही इसलिए हूं कि खुद का कुछ क्रिएट करूं।

डीजे इमोशंस क्रिएट करते हैं

डीजे सार्थक ने बताया कि मैं सीए कर रहा था। मुझे म्यूजिक में इतनी इंट्रेस्ट था कि फाइनल ईयर में अपना सीए का करियर छोड़कर डीजेइंग में आ गया। मैं इलेक्ट्रो हाउस जॉनर का म्यूजिक प्ले करता हूं। यह मेरा पैशन है और ताउम्र में इसे ही फॉलो करना चाहता हूं। डीजे एटमॉस्फियर के साथ इमोशंस क्रिएट करते हैं। मैडनेस क्रिएट करते हैं। यंगस्टर्स जो इस फील्ड में आना चाहते हैं उनसे मैं कहूंगा कि फॉलो योर हार्ट।

Dainik Bhaskar, September 8, 2014, Page-15 (City Bhaskar)

गेमचेंजर होते हैं विकेटकीपर

ONE-TO-ONE

पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व क्रिकेटर सैयद किरमानी शुक्रवार को शहर में थे। पढ़िए उनसे बातचीत।

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

यह सही है कि क्रिकेट में ज्यादातर वाहवाही बैट्समैन के हिस्से में जाती है, लेकिन विकेटकीपर्स गेमचेंजर होते हैं। मैदान में विकेटकीपर और अम्पायर की पोजीशन आमने-सामने होती है। वे मैच को एक ही पॉइंट से देख पाते हैं। अगर विकेटकीपर बॉलर को यह बता दे कि विरोधी टीम का बैट्समैन किस तरह की बॉल खेलने में क्या ग़लती कर रहा है तो बॉलर को उसे आउट करने में आसानी होगी।

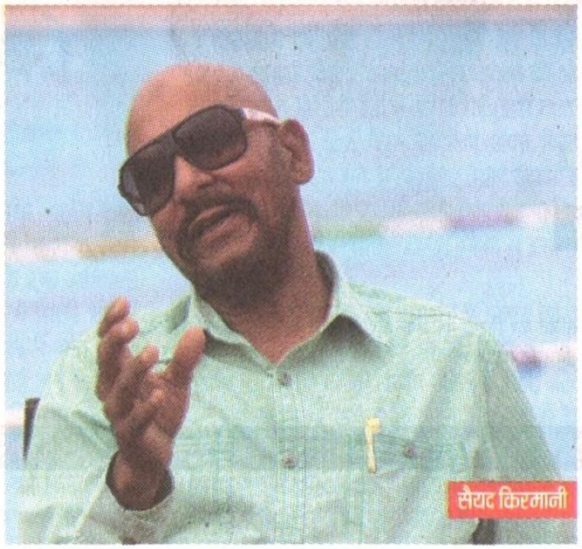

सैयद किरमानी

यह कहते हैं पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्डी क्रिकेटर सैयद किरमानी जो टीम इंडिया में तब भी शामिल थे जब भारत ने पहला वर्ल्ड कप जीता था। बतौर विकेटकीपर उन्होंने कई मैच खेले हैं। शुक्रवार से शुरू हुए आईआईएम अथर्व फेस्ट में उन्हें सम्मानित किया गया। पढ़िए उनसे बातचीत-

पिता से छिपकर खेलता था क्रिकेट

मेरे पिता चाहते थे कि मैं खूब पढ़ूं और सरकारी नौकरी करूं। मैं भी हां में हां मिला देता था। हालांकि क्रिकेट खेलना बहुत पसंद था इसलिए उनसे छिपकर क्रिकेट खेलता था। मुझे 10वीं के बाद ही सरकारी नौकरी मिल गई थी। यह नझैकरी करते हुए ही मैंने ट्रेनिंग ली और 16 साल की उम्र में रणजी मैच खेला।

स्पोर्ट्स आपको बेहतर इंसान बनाएगा

गेम कोई भी हो, वह आपको एक बेहतर इंसान बनाएगा। डिसिप्लिन, कैरेक्टर, सेल्फ कंट्रोल, टीम स्पिरिट और प्रेशर में परफॉर्म करने की स्ट्रेंथ। स्पोर्ट्समैन में ये सारी क्वालिटीज होती हैं जो ज़िंदगी के कई मौक़ों पर ज़रूरी है।

Dainik Bhaskar, September 06, 2014 Page No. 22(City Bhaskar)

city भास्कर

INDORE, SATURDAY, 06/09/2014

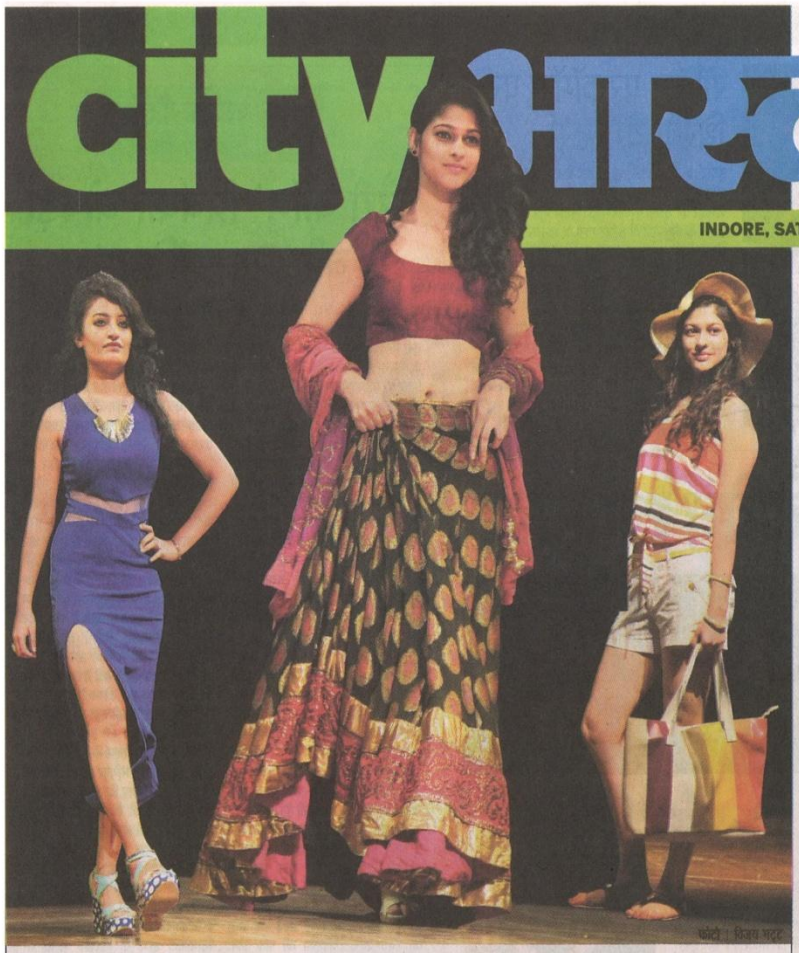

फोटो : विजय भट्ट

अथर्व में दिखे कलर्स ऑफ कल्चर

IIM FEST-2014

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

आईआईएम इंदौर के कल्चरल और मैनेजमेंट फेस्ट अथर्व-2014 की शुरुआत शुक्रवार से हुई। इस तीन दिनी फेस्ट में देशभर के कॉलेजेस पार्टिसिपेट कर रहे हैं। पहले दिन कुल 13 इवेंट्स हुए। सबसे ज्यादा पार्टिसिपेशन शाम को हुए फैशन शो में रहा। शहर के साथ बाहर के कॉलेजेस ने भी इसमें पार्टिसपेट किया।

रैम्प पर सबसे पहली उतरी आईआईएम की टीम। आउट एट सी थीम पर स्टूडेंट्स ने कॉकटेल और क्लब वियर गारमेंट्स में वॉक की। एसजेएमसी, एमिटी और यूआईटी भोपाल के स्टूडेंट् ने भी वॉक की। फैशन शो कॉम्पीटिशन में विनर आईआईएम और रनर अप एसजेएमसी डीएवीवी की टीम रही। बेस्ट मॉडल का अवॉर्ड एसजेएमसी की स्टूडेंट अंजलि को दिया गया।

नुक्कड़ नाटकों से दिए मैसेज

ढोल, डफली अरे मंझीरों के साथ नुक्कड़ नाटक भी हुए। एमिटी के ग्रुप का स्ट्रीट प्ले अंधकार काफी सराहा गया। आखिरी इवेंट हुआ बेटल ऑफ बैंड्स जिसमें रॉक कन्सर्ट हुआ।

एमटीवी पर होगा टेलीकास्ट

फेस्ट की कौर टीम में शामिल रेवंत ने बताया कि फेस्ट का कवरेज करने एमटीवी की टीम भी आई है। अथर्व 2014 का कवरेज एमटीवी वीजे होजे के शो कैम्पस डाइरीज में आएगा।

खुद पर भरोसा हो तो पूरा होता है हर ख़्वाब

CELEB INTERVIEW

सिटी रिपोर्टर ▶ इंदौर

मिस इंडिया और एक्ट्रेस जोया अफरोज शुक्रवार को आईआईएम फेस्ट अथर्व में शामिल होने इंदौर आई थीं।

मिस इंडिया पेजेंट जीतने के तकरीबन एक महीने बाद एक दिन जब मैं अपनी पुरानी नोटबुक्स टटोल रही थी तब मुझे एक ड्रॉइंगबुक मिली। टीचर की दी हुई सिचुएशन पर ड्रॉ करना होता था। एक पेज पर सिचुएशन थी 15 साल बाद खुद को जहां देखते हो वह बनाओ। मैंने खुद की जो ड्रॉइंग बनाई, उसमें मेरे सिर पर मिस इंडिया का क्राउन था। तब मुझे अहसास हुआ कि यह कॉन्टेस्ट जीतना मेरा बचपन का सपना था। इस फील्ड में आने वाली सभी लड़कियों से मैं कहूंगी कि ख्वाब देखो, खुद पर भरोसा करो और जर्नी शुरू कर दो।

यह फलसफा है मिस इंडिया और अब एक्ट्रेस जोया अफरोज का जो आईआईएम के मैनेजमेंट और कल्चरल फेस्ट अथर्व-2014 के फैशन इवेंट्स जज करने आई थीं। पढ़िए क्या कहती हैं जोया -

...जब लोग मेरा नाम सही नहीं पुकारते

ऐसी कई बातें होती हैं जो बहुत बड़ी नहीं होतीं लेकिन आपको परेशान या खुश कर देती हैं। सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है जब कोई मेरा नाम सही नहीं पुकारता। जोया के बजाए जोया कहते हैं। नुक्ता गायब कर देते हैं... और तो और फेसबुक पर स्पेलिंग में भी जेड के बाद जे लिखते हैं। जो बात खुश करती है वह है किसी नई जगह मिला वार्म वेलकम।

ब्यूटी पर भारी है कॉन्फिडेंस

हो सकता है कुछ लोग इसे मेरा ओवर कॉन्फिडेंस मानें, लेकिन मैंने तो लखनऊ में फर्स्ट ऑडीशन भी यह सोचकर दिया था कि मैं ही जीतूंगी। सेमीफाइनल इंदौर में हुआ था। यहां भी मैं जीती। इस जीत ने मेरा कॉन्फिडेंस और बढ़ाया। रैम्प हो या जॉब इंटरव्यू। जहां कॉन्फिडेंस है वहां जीत है।

जोया अफरोज